अध्यक्ष महोदय : इस के जवाब की तो कोई जरूरत नहीं । जो घटना हमारे सामने है उसी पर प्रश्न हो सकता है । आप दूसरी घटनाओं का आम तौर पर जिक्र कर रहे हैं, वे हमारे सामने नहीं हैं ।

श्री विभूति मिश्र : अध्यक्ष महोदय, मैं एक प्रश्न पूछना चाहता था, मुझे नहीं बुलाया गया ?

अध्यक्ष महोदय : मैं ने तीन बार आप की तरफ देखा, लेकिन आप खड़े नहीं हुए ।

श्री विभूति मिश्र : मैं बराबर खड़ा हुआ, लेकिन आप की नजर दूसरी तरफ रहती है । जो हमारे दुश्मन हैं, उन की तरफ आप की नजर रहती हैं ।

अध्यक्ष महोदय : हाल में मैं ने श्री सोनावने से कहा था कि मैं डाक्टर से अपनी आंख का मुआइना कराऊंगा । उस दिन मैं ने करा लिया था । बहरहाल इस दफा मुझ से भूल हो गई तो अगली दफा सही ।

श्री यशपाल सिंह : प्वाइंट आफ आर्डर । दुश्मन का लफ्ज अनपार्लियामेंटरी है ।

श्री विभूति मिश्र : विरोधी सही ।

श्री यशपाल सिंह : हां, विरोधी कहिये ।

श्री हरि विष्णु कामत : यहां कोई किसी का दुश्मन नहीं है ।

प्रधान मंत्री की विदेश यात्रा

+

५२८. **श्री प्रकाशवीर शास्त्री :**
श्री रघुनाथ सिंह :
श्री बयार :

क्या **प्रधान मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि आगामी शरद् ऋतु में वह विदेश यात्रा पर जा रहे हैं ; और

(ख) यदि हां, तो किन-किन देशों के निमंत्रण उन्होंने स्वीकार कर लिये हैं ?

बैदेशिक कार्य मंत्रालय में उपमंत्री (श्री दिनेश सिंह) : (क) जी हां ।

(ख) लंदन में होने वाले राष्ट्रमंडल प्रधान मंत्रि-सम्मेलन में शामिल होने के बाद भारत वापस आते हुए प्रधान मंत्री का घाना और नाइजीरिया जाने का इरादा है ।

(a) Yes.

(b) Prime Minister intends visiting Ghana and Nigeria on his way home after attending the Commonwealth Prime Ministers' Conference in London.]

श्री प्रकाशवीर शास्त्री : क्या मैं यह जान सकता हूं कि ब्रिटेन के साझा बाजार में सम्मिलित होने से भारतीय निर्यात व्यापार को जो हानि पहुंची है, क्या राष्ट्र-मंडल प्रधान मंत्रियों के सम्मेलन में प्रधान मंत्री जी उस के सम्बन्ध में विशेष रूप से चर्चा करेंगे ?

प्रधान मंत्री तथा बैदेशिककार्य मंत्री तथा अणु शक्ति मंत्री (श्री जवाहरलाल नेहरू) : इस सवाल से योरोपियन एकानमिक कम्यूनिटी का कोई सम्बन्ध नहीं है । दूसरी बात यह कि अभी तक ब्रिटेन उस संस्था में मिला नहीं है । इस लिये अभी तो कोई सवाल उठता नहीं । यह हो सकता है कि वर्ष, दो वर्ष या पांच वर्ष बाद यह उठ जाये । लेकिन माननीय सदस्य अखबार पढ़ते हैं और उन को मालूम होगा कि इसके बारे में कोशिश हो रही है और आइन्दा होगी ।

श्री प्रकाशवीर शास्त्री : क्या मैं जान सकता हूं कि कश्मीर की समस्या जो दिन-प्रतिदिन एक भयंकर रूप धारण करती चली जा रही है और जैसा कि पाकिस्तान

के राष्ट्रपति श्री अय्यूब के वक्तव्यों से भी प्रतीत होता है तो क्या राष्ट्रमंडलीय प्रधान मंत्री सम्मेलन में हमारे प्रधान मंत्री जो उस चर्चा को भी विशेष रूप से उपस्थित करेंगे?

अध्यक्ष महोदय. अब वह सब बतला कर जायें कि वह वहां क्या बात करेंगे और क्या कहेंगे यह बात कैसे हो सकती है ?

Shri Daji: Is there any fixed agenda or only a loose agenda?

श्री जवाहरलाल नेहरू : एजेंडा तो इन बातों में होता नहीं है । जहां तक मेरा ख्याल है इन का कोई एजेंडा नहीं होता है । यह एक खास बैठक यूरोपियन कौमन मार्केट के सिलसिले में हो रही है । दूसरे सवाल भी आ सकते हैं लेकिन यहां का सवाल उठता नहीं है क्योंकि कश्मीर के बारे में हमारी तरफ से कोई चर्चा नहीं होगी । यदि और कोई करेगा तो हम करेंगे कि किसी को उसके करने का अधिकार नहीं है ।

Shri Hari Vishnu Kamath: Is it a fact that the Prime Minister has received so many invitations from other countries that he is unable to accept them all, and his medical advisers, his doctors, have advised him not to undertake too many tours abroad, in the interests of his healteh which is a national asset?

Shri Jawaharlal Nehru: My medical advisers have not advised me any thing, nor have I asked them for their advice in this matter.

श्री बेरवा : राष्ट्रमंडलीय प्रधान मंत्री सम्मेलन में कौन-कौन विषय उठाये जायेंगे ?

अध्यक्ष महोदय : यह तो बहुत देर हो चुकी । इस का फैसला हो चुका है ।

Shri Hem Barua: Frankly speaking, we do not want the Prime Minister to subject himself to any strain at this stage of his health. Therefore, may I know whether the Prime Minister is going to cut out his visits to Ghana and Nigeria, as not being necessary?

Shri Jawaharlal Nehru: I have just said that I am going there. The hon. Member suggests that I should not go there . . . .

Shri S. M. Banerjee: You should go there.

Shri Jawaharlal Nehru: I propose to go there, all the same.

Shri Hem Barua: That was because of the strain that would be involved.

Mr. Speaker: Next question. Shri Morarka.

Shri Rameshwar Tantia: May I request that Q. No. 543 which is on the same subject may also be taken up alongwith this?

Mr. Speaker: If it is convenient for the hon. Minister to answer both of them together, I have no objection.

Shri Kanungo: Question No. 543 is entirely different from Question No. 529.

Issue of Industrial Licences

*529. **Shri Morarka:** Will the Minister of **Commerce and Industry** be pleased to state:

(a) what changes, if any, Government have introduced in the system of issuing industrial licences to avoid concentration of wealth and power;

(b) whether Government have realised that the system of industrial licensing has in fact aggravated the concentration of economic power; and

(c) if so, the steps taken or proposed to be taken to prevent this phenomenon?

The Minister of Industry in the Ministry of Commerce and Industry (Shri Kanungo): (a) to (c). A statement is laid on the Table of the House.

STATEMENT

The Licensing Committee, which considers applications under the